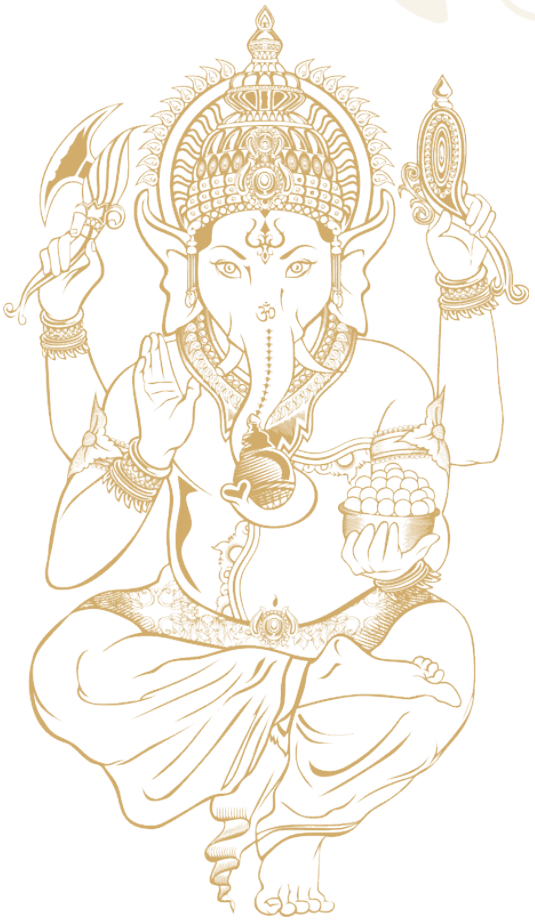

24 Feb 2026

09:59 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121419602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/02/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:59:00 घंटे**
इष्ट	37:15:57 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:28:28 घंटे
वेलान्तर	-00:13:13 घंटे
साम्पातिक काल	07:46:43 घंटे
सूर्योदय	07:04:37 घंटे
सूर्यास्त	18:23:22 घंटे
दिनमान	11:18:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	11:50:52 कुम्भ
लग्न के अंश	28:26:35 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वैधृति
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	28:26:35	304:35:53	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
सूर्य			कुंभ	11:50:52	01:00:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	14:03:47	14:12:21	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	कुंभ	01:07:16	00:47:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	28:07:53	00:15:44	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:12:14	00:02:49	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	23:36:34	01:14:54	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	06:59:25	00:07:01	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:45:19	00:00:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:45:19	00:00:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:25:21	00:01:05	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:39:59	00:02:06	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:11:24	00:01:41	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	00:31:44	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

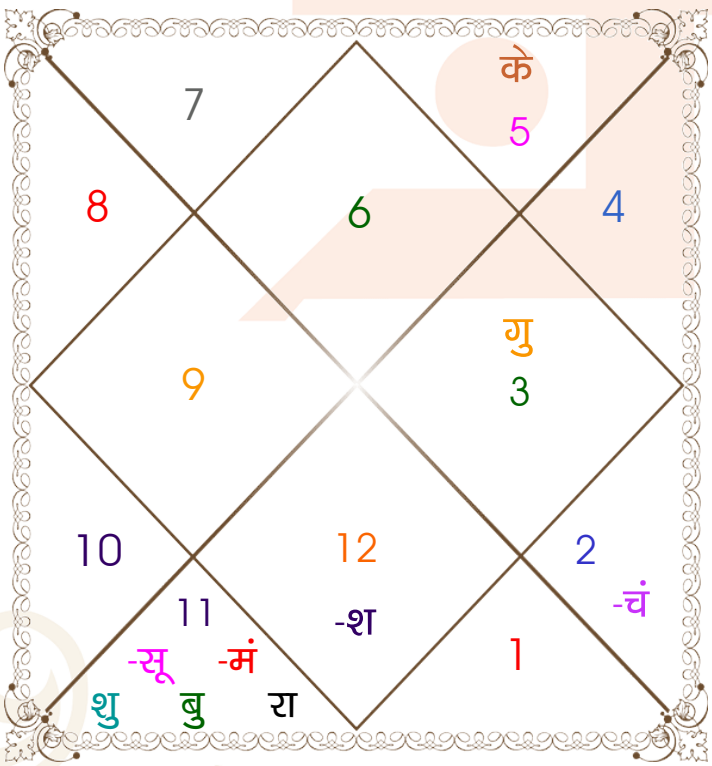

चन्द्र कुंडली

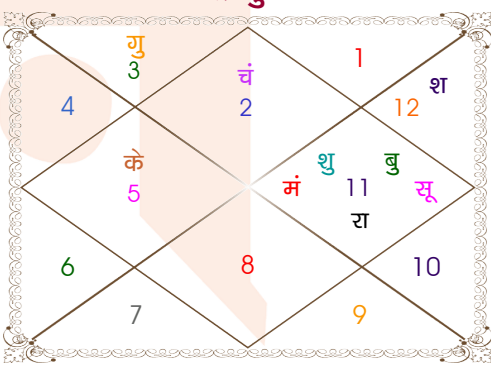

नवमांश कुंडली

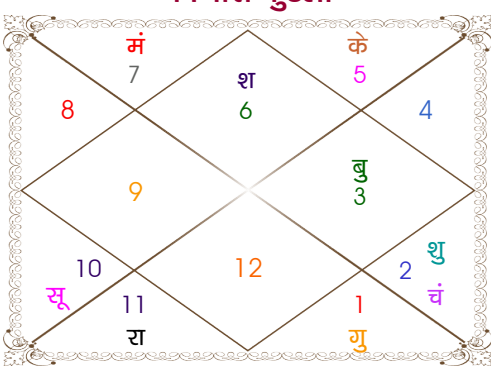

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 11 मास 13 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/02/2026		07/02/2033		08/02/2040		07/02/2058		07/02/2074	
07/02/2033		08/02/2040		07/02/2058		07/02/2074		07/02/2093	
	00/00/0000	मंगल	06/07/2033	राहु	21/10/2042	गुरु	27/03/2060	शनि	10/02/2077
	00/00/0000	राहु	25/07/2034	गुरु	15/03/2045	शनि	09/10/2062	बुध	21/10/2079
	24/02/2026	गुरु	30/06/2035	शनि	20/01/2048	बुध	14/01/2065	केतु	29/11/2080
गुरु	10/05/2027	शनि	08/08/2036	बुध	09/08/2050	केतु	20/12/2065	शुक्र	30/01/2084
शनि	08/12/2028	बुध	05/08/2037	केतु	27/08/2051	शुक्र	20/08/2068	सूर्य	11/01/2085
बुध	09/05/2030	केतु	02/01/2038	शुक्र	27/08/2054	सूर्य	09/06/2069	चंद्र	12/08/2086
केतु	09/12/2030	शुक्र	04/03/2039	सूर्य	22/07/2055	चंद्र	09/10/2070	मंगल	21/09/2087
शुक्र	08/08/2032	सूर्य	10/07/2039	चंद्र	20/01/2057	मंगल	15/09/2071	राहु	28/07/2090
सूर्य	07/02/2033	चंद्र	08/02/2040	मंगल	07/02/2058	राहु	07/02/2074	गुरु	07/02/2093

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
07/02/2093		08/02/2110		08/02/2117		08/02/2137		08/02/2143	
08/02/2110		08/02/2117		08/02/2137		08/02/2143		00/00/0000	
बुध	07/07/2095	केतु	07/07/2110	शुक्र	09/06/2120	सूर्य	28/05/2137	चंद्र	10/12/2143
केतु	03/07/2096	शुक्र	06/09/2111	सूर्य	10/06/2121	चंद्र	27/11/2137	मंगल	10/07/2144
शुक्र	04/05/2099	सूर्य	12/01/2112	चंद्र	08/02/2123	मंगल	04/04/2138	राहु	09/01/2146
सूर्य	10/03/2100	चंद्र	12/08/2112	मंगल	10/04/2124	राहु	27/02/2139	गुरु	25/02/2146
चंद्र	10/08/2101	मंगल	08/01/2113	राहु	10/04/2127	गुरु	16/12/2139		00/00/0000
मंगल	07/08/2102	राहु	27/01/2114	गुरु	09/12/2129	शनि	27/11/2140		00/00/0000
राहु	23/02/2105	गुरु	03/01/2115	शनि	08/02/2133	बुध	03/10/2141		00/00/0000
गुरु	01/06/2107	शनि	12/02/2116	बुध	10/12/2135	केतु	08/02/2142		00/00/0000
शनि	08/02/2110	बुध	08/02/2117	केतु	08/02/2137	शुक्र	08/02/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 11 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ कन्या का नवमांश एवं वृषम लग्न का भी उदय आपके जन्मकाल ही हुआ था। कन्या तथा वृष राशि के संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह सभी संयोग आपके अनुकूल है। आपके जन्म का प्रभाव यह भी निश्चित करता है कि आपकी अभिलाषा के अनुरूप आपका जीवन आरामदेह, फलदायी एवं आनन्द प्रियता के साथ व्यतीत हो सकता है।

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है। आपकी उन्नत और चौड़ी ललाट तथा प्रभावशाली आंखे आपको सुव्यवस्थित बनाएगा तथा आपके सम्पर्क में आनेवाले सभी प्राणी आपको एवं आपके व्यक्तित्व को पसंद करंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से साहसी एवं व्यवहारिक प्राणी है। आप शक्ति संपन्न तथा सामुदायिक भावना के प्राणी हैं। आप किसी भी प्रकार के आयोजनों का दायित्व ग्रहण कर, उस कार्यक्रम अर्थात् योजना को पूर्ण सफल बना सकते हैं। आप में इतनी क्षमता विद्यमान है कि आप बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगे, परन्तु आप किसी भी वस्तु को सुरक्षित रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि आप मात्र एक अति शक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं बल्कि आप महान खर्चीला अर्थात् धन को (नाश) अपव्यय करने वालें प्राणी हैं। आप सदैव प्रभावशाली तरीके से किसी भी आयोजनों में सम्मिलित होकर मुफ्त में विशिष्टता प्राप्त करते हो। आप स्वयं के लिए तथा अपने परिवारिक सदस्यों के लिए अपने ढंग से वस्त्राभूषणादि पर बहुत खर्च करोगे। सम्प्रति आप ऐसा चाहते है कि हर परिस्थिति में अधिक से अधिक बहुत व्यय करें जो सामान्य जीवन के लिए उपयुक्त हैं।

तथापि आपमें एक छोटी सी नकारात्मक भावना विद्यमान है तथा यदा कदा आप सहजता पूर्वक इसे सहज समझ लेते हो। जब इस के संबंध में सावधानी बरतना अपेक्षित हो जाता है तो इस विषय को स्थगित कर देते हैं। आपको अपनी अकर्मण्यता वाली मुद्रा का परित्याग करना होगा। तब ही आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में एकाग्रता प्राप्त कर सकेंगे। यह आपके लिए उच्चतम लाभजनक स्थिति प्रमाणित होगी। विशेषतः आपके जीवन का 33 वें से 38 वें वर्ष तक आप सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंच सकते हैं।

आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप पराविज्ञान एवं ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के प्रति रुचिवान तथा आकर्षित है। आपकी धारणा परोपकारी कार्य के सम्पादन संबंध में तथा पिछड़े लोगों तथा दुर्बल श्रेणी के व्यक्तियों को मदद करने की रहती है।

आपके संबंध में गम्भीर रूप से विचारणीय है कि आप समसामयिकी अनुकूल व्यंग विनोद प्रिय वार्त्तालाप करके जन सामान्य के द्वारा उच्च मूल्यांकित किए जाते हैं। अर्थोपार्जन के लिए आप निश्चित दिशा सुनिश्चित कर चुके हैं। आप सदैव अपनी पत्नी एवं सन्तान से युक्त सुखद घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए उपयुक्त व्यवसायों में अच्छी प्रकार व्यवहारणीय धन्धा यथा खेल-कूद

की सामग्री, मोटर पार्ट्स के अतिरिक्त पार्ट्स का व्यवसाय करना उत्तम होगा। पार्टनरशिप के व्यवसाय हेतु बुद्धिमान व्यक्ति के साथ संबंधित होकर वस्त्र विक्रय तथा आभूषण रत्नादि का धन्धा भी अनुकूल हो सकता है। यदि आप कोई नौकरी करना चाहते हैं तो चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक एवं रत्नाकर की सेवा धन्धा प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य निःसन्देह अति उत्तम रहेगा। परन्तु कुछ वर्षों के पश्चात् शरीर का वाह्य सतह अन्य प्रकार के रोगादि से प्रभावित हो सकता हैं। आप किडनी या मूत्रासय रोग से भी ग्रसित न होवें। अस्तु इन संभावित रोगादि के प्रकोप से सर्तक रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, सफेद, सूआपंखी एवं हरा रंग उत्तम है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं नीला रंग त्याजनीय है। आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक आपके लिए लाभप्रद है। परन्तु अंक 1 एवं 8 अंक हानिकारक है।